हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा दिनांक 21 मार्च 2021 को अंतर्राष्ट्रीय वानिकी दिवसका आयोजन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा **21 मार्च, 2021** को **अंतर्राष्ट्रीय वानिकी दिवस** इस वर्ष के थीम **"फॉरेस्ट रेस्टोरेशन: ए पाथ टू रिकवरी एंड वेल बीईंग"** पर मनाया गया । जिसमें संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं शोधार्थियों ने भाग लिया ।

इस अवसर पर जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से अभिनव विचार,नारा लेखन, पोस्टर, आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन दिनांक 15 से 21 मार्च, 2021 के दौरान किया गया था ।

डॉ. एस . एस . सामंत, निदेशक, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला के नेतृत्व में **जागरूकता रैली** निकाली गई जिसमें संस्थान के शोधार्थियों एवं कर्मचारियों द्वारा बनाए गए पोस्टर का प्रदर्शन एवं नारों का उद्घघोष किया गया।

तदोपरांत डॉ. एस . एस . सामंत, निदेशक, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा संस्थान के सभागार में **"पश्चिमी हिमालय की जैव विविधता"** पर पावर पाइंट प्रस्तुति दी तथा हिमालयी क्षेत्रों की जैव विविधता के सरंक्षण के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

डॉ. संदीप शर्मा, वैज्ञानिक- जी, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने **"वृक्षारोपण- वैज्ञानिक दृष्टिकोण"** पर प्रस्तुति दी उन्होंने वैज्ञानिक तरीके से वृक्षारोपण करके वनों के पुनरुत्थान के महत्व पर प्रकाश डाला।

डॉ. वनीत जिष्टु, वैज्ञानिक-डी हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने **"Western Himalayan Temperate Arboretum-Its Role in contributing to the Sustainable Development Goals (SDGs)"** पर पावर पाइंट प्रस्तुति दी उन्होंने बताया कि यह तरुवाटिका किस तरह से सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक है। उन्होंने बताया कि इस तरुवाटिका में सम-शीतोष्ण क्षेत्र में पाई जाने वाली लगभग 170 वृक्ष प्रजातियाँ में से 120 वृक्ष प्रजातियाँ, बहुत सारी झाड़ी प्रजातियाँ, औषधीय पौधे एवं पहाड़ी बांस की प्रजातियाँ भी लगाई गई है।

डॉ. राज कुमार वर्मा, वैज्ञानिक-जी, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने पतित क्षेत्रों, खनन क्षेत्रों में वनों के पुनरुत्थान में अतीत में किए गए कार्यों एवं भविष्य में संस्थान विशेष योगदान के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

डॉ. पवन राणा, वैज्ञानिक-ई, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने वनों के पुनरुत्थान में कीटों द्वारा बाधा पहुंचाने तथा इनके रोकथाम में जैव कीटनाशकों के बारे में अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि किस तरह से रासायनिक कीटनाशकों के प्रयोग से नर्सरी में तैयार पौध को बचाने में पर्यावरण को अधिक नुकसान पहुंचता है। उन्होंने जैव कीटनाशकों के अधिक से अधिक प्रयोग करने पर बल दिया।

इस अवसर पर अभिनव विचार,नारा लेखन, पोस्टर, आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। इनमें **अभिनव विचार प्रतियोगिता** में कुमारी कृष्णा,कनिष्ठ अनुसंधान अध्येयता,श्री नीरज शर्मा, परियोजना सहायक, कुमारी संगीता वर्मा, कनिष्ठ परियोजना अध्येयता, कुमारी रिचा शर्मा, कनिष्ठ परियोजना अध्येयता तथा कुमारी रिचा ठाकुर, कनिष्ठ अनुसंधान अध्येयता की श्रेष्ठ पाँच प्रविष्टियों को पुरस्कृत किया गया। **नारा लेखन प्रतियोगिता** में श्री जय कुमार, परियोजना सहायक ने प्रथम, कुमारी प्रीतिका चौहान, कनिष्ठ परियोजना अध्येयता ने द्वितीय तथा कुमारी भूमिका कंवर, वरिष्ठ परियोजना अध्येयता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। **पोस्टर प्रतियोगिता** में श्री अग्रिम झिल्टा, कनिष्ठ परियोजना अध्येयता ने प्रथम, कुमारी दिव्या चौहान, प्रशिक्षु, वन संवर्धन एवं वन प्रबंधन प्रभाग ने द्वितीय तथा कुमारी पुष्पा यादव, प्रशिक्षु, वन संवर्धन एवं वन प्रबंधन प्रभाग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को डॉ. एस . एस . सामंत, निदेशक, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा पुरस्कृत किया गया ।

कार्यक्रम के अंत में **श्री जगदीश सिंह**, वैज्ञानिक- एफ़ एवं प्रभागाध्यक्ष विस्तार ने निदेशक महोदय, संस्थान के सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं शोधार्थियों को इस कार्यक्रम को सफल बनाने तथा उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए धन्यवाद दिया ।

कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

मीडिया कवरेज़

दैनिक भास्कर

हिमाचल 22-03-2021

एचएफआरआई में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय वानिकी दिवस

नारा लेखन में जय, पोस्टर मेकिंग में अग्रिम जीते

शिमला| एचएफआरआई शिमला में रविवार को अंतरराष्ट्रीय वानिकी दिवस फारेस्ट रेस्टोरेशनः ए पाथ टू रिकवरी एंड वेल विंग थीम के साथ मनाया गया। इसमें संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं शोधार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर जागरुकता फैलाने के उद्देश्य से नारा लेखन, पोस्टर मेकिंग आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। नारा लेखन में परियोजना सहायक जय कुमार प्रथम, कनिष्ठ परियोजनाकार कुमारी प्रीतिका चौहान द्वितीय और कुमारी भूमिका कंवर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर मेकिंग में कनिष्ठ परियोजनाकार अग्रिम झिल्टा प्रथम, प्रशिक्षु कुमारी दिव्या चौहान द्वितीय और कुमारी पुष्पा यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मुख्यतिथि संस्थान के निदेशक डॉ. एसएस सामंत ने विजेताओं को पुरस्कृत किया।

इस अवसर पर डॉ. एसएस सामंत के नेतृत्व में जागरुकता रैली निकाली गई जिसमें संस्थान के शोधार्थियों एवं कर्मचारियों द्वारा बनाए गए पोस्टर का प्रदर्शन एवं नारों का उद्घघोष किया गया। उसके बाद डॉ. एसएस सामंत, ने संस्थान के सभागार में पश्चिमी हिमालय की जैवविविधता पर पावर पाइंट प्रस्तुति दी। एचएफआरआई के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संदीप शर्मा ने वृक्षारोपण-वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर प्रस्तुति दी। उन्होंने वैज्ञानिक तरीके से पौधरोपण करने के महत्व पर प्रकाश डाला।

एचएफआरआई में आयोजित कार्यक्रम में रैली निकालते संस्थान के कर्मचारी।

तारादेवी फायर लाइन में की सफाई, पौधे भी लगाए

शिमला| वन विभाग ने तारादेवी में विश्व वानिकी दिवस मनाया, जिसमें प्रधान मुख्य अरण्यपाल (वन बल प्रमुख) डॉ सविता बतौर मुख्यातिथी शामिल हुईं। विश्व वानिकी दिवस पर वन विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों ने आईटीबीपी के अधकारियों व जवानों के साथ मिल कर तारादेवी जंगल में सफाई की। फायर लाइन की भी सफाई की गई। इस दौरान अधिकारियों ने पौधे भी लगाए। डीआईजी प्रेम सिंह, पूर्व प्रधान मुख्य अरण्यपाल अजय कुमार, अतिरिक्त प्रधान मुख्य अरण्यपाल राकेश गुप्ता, मुख्य अरण्यपाल वन्य प्राणी अनिल ठाकुर, मुख्य अरण्यपाल शिमला एसडी शर्मा आदि मौजूद थे।

'वन अनुसंधान संस्थान में मनाया अंतर्राष्ट्रीय वानिकी दिवस'

शिमला : वन अनुसंधान संस्थान शिमला में अंतर्राष्ट्रीय वानिकी दिवस के दौरान जागरूकता रैली निकालते कर्मचारी। (नि.स.)

शिमला : आई.टी.बी.पी. के अधिकारियों व जवानों के साथ मिलकर तारादेवी जंगल में सफाई करते वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी। (नि.स.)

फॉरेस्ट रिस्टोरेशन ए पाथ टू रिकवरी एंड वैल बींग है थीम

शिमला, 21 मार्च (ब्यूरो): हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला में रविवार को अंतर्राष्ट्रीय वानिकी दिवस मनाया गया। इस बार इसका थीम फॉरेस्ट रिस्टोरेशन ए पाथ टू रिकवरी एंड वैल बींग रखा गया है। इसमें संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं शोधार्थियों ने भाग लिया।

इस दौरान संस्थान में निदेशक डा. एस.एस. सामंत के नेतृत्व में जागरूकता रैली भी निकाली गई, जिसमें संस्थान के शोधार्थियों एवं कर्मचारियों द्वारा बनाए गए पोस्टर का प्रदर्शन एवं नारों का उद्घोष किया गया। इसके बाद डा. सामंत ने पश्चिमी हिमालय की जैव विविधता पर पावर प्वाइंट प्रस्तुति दी। संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डाक्टर संदीप शर्मा ने पौधारोपण वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर अपनी प्रस्तुति दी। उन्होंने वैज्ञानिक तरीके से पौधारोपण करने के महत्व पर प्रकाश डाला। इस दौरान संस्थान

शिमला : वन अनुसंधान संस्थान शिमला में अंतर्राष्ट्रीय वानिकी दिवस के दौरान संबोधित करते वैज्ञानिक। (नि.स.)

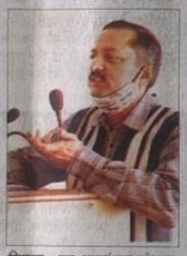

के वैज्ञानिक डा. वनीत जिष्टू ने बताया कि तरु वाटिका में समशीतोष्ण क्षेत्र में पाई जाने वाली लगभग 170 वृक्ष प्रजातियों में से 120 वृक्ष प्रजातियां लगाई गई हैं। इस अवसर पर जागरूकता के उद्देश्य से नारा लेखन व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नारा लेखन प्रतियोगिता में जय कुमार परियोजना सहायक ने प्रथम स्थान हासिल किया जबकि रितिका चौहान कनिष्ठ परियोजना अध्येता ने दूसरा तथा कुमारी भूमि कंवर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में अग्रिम जिंटा ने पहला, दिव्या चौहान ने दूसरा व पुष्पा यादव ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्यातिथि द्वारा पुरस्कृत किया गया।

वन विभाग ने चलाया स्वच्छता अभियान

कुमारसैन, 21 मार्च (सोनी): वन परिक्षेत्र कुमारसैन के अंतर्गत जोगशा जंगल में वन विभाग द्वारा स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने जंगल में फैले कूड़े-कचरे को एकत्र किया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वन परिक्षेत्र अधिकारी कुमारसैन नेक राम शर्मा ने बताया कि रविवार को अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर जोगशा जंगल में वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने सफाई अभियान के तहत जंगल में फैले कूड़े-कचरे को एकत्र किया। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वनों को साफ रखने में सहयोग करें। उन्होंने क्षेत्रवासियों से आग्रह किया कि वनों में आग न लगाएं। इस अवसर पर आर.ओ. नेकराम, बी.ओ. महिंद्र ठाकुर, वन परिक्षेत्र कुमारसैन के कई अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

'आई.टी.बी.पी. के जवानों के साथ तारादेवी के वन क्षेत्र में पौधे रोपे'

शिमला : वन विभाग हिमाचल प्रदेश के अधिकारियों व कर्मचारियों ने आई.टी.बी.पी. के अधिकारियों व जवानों के साथ मिलकर विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर शिमला के पास तारादेवी जंगल में सफाई की। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डा. सविता प्रधान मुख्य अरण्यपाल वन बल प्रमुख हिमाचल प्रदेश ने की। इस अवसर पर डी.आई.जी. प्रेम सिंह भी उपस्थित थे।

लगभग 6 किलोमीटर चलकर सभी ने जंगल में प्लास्टिक व अन्य ज्वलनशील सामग्री को साफ किया। इस अवसर पर फायर लाइन की भी सफाई की तथा पौधे भी रोपित किए। डा. सविता ने कहा कि वन हमारे जीवन के लिए बहुत आवश्यक हैं। स्वच्छ हवा व पानी के अतिरिक्त वन लोगों की रोजमर्रा की बहुत-सी आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं। उन्होंने कहा कि आज पूरे प्रदेश में सभी वन मंडलों में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं जिससे स्थानीय जनता को वनों के महत्व के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

इस अवसर पर प्रेम सिंह ने भी संबोधित किया। इस दौरान अजय कुमार सेवानिवृत्त प्रधान मुख्य अरण्यपाल वन बल प्रमुख, राकेश गुप्ता अतिरिक्त प्रधान मुख्य अरण्यपाल केम्पा, अनिल ठाकुर मुख्य अरण्यपाल वन्य प्राणी, एस.डी. शर्मा मुख्य अरण्यपाल शिमला, वन विभाग के अन्य अधिकारी, कर्मचारी तथा आई.टी.बी.पी. के जवानों सहित 100 से अधिक लोग उपस्थित थे।

पश्चिम हिमालय की जैव विविधता का संरक्षण जरूरी

अंतरराष्ट्रीय वानिकी दिवस पर निकली रैली

विशेष संवाददाता-शिमला

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला द्वारा रविवार को अंतरराष्ट्रीय वानिकी दिवस पर इस वर्ष की थीम फॉरेस्ट रेस्टोरेशन पर मनाया गया। इस मौके पर संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं शोधार्थियों ने भाग लिया। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, के निदेशक डा. एसएस सामंत के नेतृत्व में जागरूकता रैली निकाली गई। संस्थान के शोधार्थियों एवं कर्मचारियों द्वारा बनाए गए पोस्टर का प्रदर्शन एवं नारों का उद्घोष किया गया। तदोपरांत डा. एसएस. सामंत निदेशक, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान द्वारा संस्थान के सभागार में पश्चिमी हिमालय की जैव विविध पर पावर प्वाइंट प्रस्तुति दी। हिमालयी क्षेत्रों की जैव विविधता के संरक्षण के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। डा संदीप शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान ने वृक्षारोपण, वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर प्रस्तुति दी। उन्होंने वैज्ञानिक तरीके से वृक्षारोपण करने के महत्व पर प्रकाश डाला। इसी कड़ी में संस्थान के वैज्ञानिक डा विनीत जिष्टु ने पावर प्वाइंट प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि इस तरुवाटिका में सम.शीतोष्ण क्षेत्र में पाई जाने वाली 170 वृक्ष प्रजातियों में से 120 वृक्ष प्रजातियां लगाई गई हैं। इस अवसर पर जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से नारा लेखन, पोस्टर मेकिंग आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। इनमें नारा लेखन प्रतियोगिता में जय कुमार, परियोजना सहायक ने प्रथम, कुमारी प्रीतिका चौहान, कनिष्ठ परियोजना अध्येयता ने द्वितीय तथा कुमारी भूमिका कंवर, कनिष्ठ परियोजना अध्येयता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में अग्रिम झिल्टा, कनिष्ठ परियोजना अध्येयता ने प्रथम, कुमारी दिव्या चौहान, प्रशिक्षु, वन संवर्धन एवं वन प्रबंधन प्रभाग ने द्वितीय तथा कुमारी पुष्पा यादव, प्रशिक्षु, वन संवर्धन एवं वन प्रबंधन प्रभाग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतिभा का परिचय दिया।

****